a2zpapers.com

Exam. Code : 216301

Subject Code : 4344

M.A. Hindi 1st Semester

HINDI NATAK OR RANGMANCH

Paper—V Opt (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— कुल **चार** खण्ड हैं। कुल **पाँच** प्रश्न करने हैं। प्रत्येक खण्ड से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। **पाँचवा** प्रश्न किसी भी खण्ड से करें और प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

खण्ड—I

सप्रंसग व्याख्या :

1. मैं तो इस नगर में एक क्षण भी नहीं रहूँगा। देख मेरी बात मान, नहीं पीछे पछताएगा।

   मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे जाता हूँ, कि कभी संकट पड़े तो हमारा स्मरण करना।।

2. कुमार को इतने में ही सन्तोष होगा कि उन्हें कोई विश्वासपूर्वक स्मरण कर लेता है। रही अभ्युदय की बात, सो तो उनको अपने बाहुबल और भाग्य पर ही विश्वास है।

खण्ड—II

3. भारतेन्दु युगीन रंगमंच को समझते हुए उसके महत्त्व और सीमाओं का विस्तार से मूल्यांकन कीजिए।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

4. पारसी रंगमंच क्या है ? क्या अंधेर नगरी में युगीन विसंगतियों की अभिव्यक्ति हुई है ? तर्क संगत उत्तर दीजिए।

खण्ड—III

5. सांस्कृतिक चेतना से क्या तात्पर्य है ? क्या प्रसाद की ध्रुवस्वामिनी में सांस्कृतिक चेतना झलकती है ? तर्क संगत उत्तर दीजिए।

6. "ध्रुवस्वामिनी : इतिहास और कल्पना का योग है।" इस कथन के पक्ष में आप अपनी प्रतिक्रिया सोदाहरण दीजिए।

खण्ड—IV

7. नाट्य यात्रा से आप क्या समझते हैं ? 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' को केन्द्र में रखकर अपनी बात स्पष्ट कीजिए।

8. नाटक के विकास में लक्ष्मीनारायण लाल की भूमिका को रेखांकित कीजिए।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab